पाठ 12

रिमझिम बरसे पानी

lkou vk;k

सावन का महीना है। फुहारें गिर रही हैं। बच्चे बारिश में नहा रहे हैं। बागों में मोर नाच रहे हैं। तालाबों में मेंढक टर्र–टर्र कर रहे हैं। चारों तरफ़ हरियाली ही हरियाली है। तीज का त्योहार है। दीपा अपनी सहेलियों के साथ झूला झूल रही है। झूला झूलते हुए वे सावन का गीत गा रही हैं–

झूला पीपल पर डलवा दो,
रसीला सावन आया रे।
बिजली चमकी बादल गरजे,
छम–छम आई वर्षा।
डाल–डाल पर झूले पड़ गए,
सबका ही मन हरषा।
इन्द्रधनुष भी दिखा गगन में,
मन को भाया रे।
झूला पीपल पर डलवा दो,
रसीला सावन आया रे।

– कृष्णलता यादव

,lk djks%

- क्या तुम्हें बारिश संबंधी कोई गीत या कविता याद है ? यदि हाँ, तो कक्षा में सुनाओ।

lkpk vkj fy[kk %

- दी गई तालिका को देखो। बरसात के दिनों में कुछ बातें अलग होती हैं। इनमें से जो बातें तुम्हें अच्छी लगती हैं, उनके सामने '✓' और जो अच्छी नहीं लगती, उनके सामने '✗' लगाओ।

कपड़े देर से सूखते हैं।	☐	बादल गरजते हैं।	☐
आकाश में इंद्रधनुष दिखाई देता है ।	☐	मोर नाचते हैं।	☐
जगह–जगह पानी भर जाता है ।	☐	आसमान में बिजली चमकती है।	☐
उड़ने वाले कीट अधिक संख्या में हो जाते हैं।	☐	मेंढक टर्राते हैं।	☐
बहते पानी में कागज़ की नाव चलाते हैं।	☐	गलियों में कीचड़ हो जाता है।	☐

- तुम्हें बरसात का मौसम कैसा लगता है ?

_____

- बरसात के मौसम में तुम कौन–कौन सी चीज़ें खाना पसंद करते हो ?

_____

- क्या तुमने कभी इन्द्रधनुष देखा है ? उसमें कौन–कौन से रंग होते हैं ? लिखो।

_____

- दिए गए स्थान पर इंद्रधनुष बनाओ और उसमें रंग भरो–

vè;kid d fy, lqdr : बच्चों को इंद्रधनुष का चार्ट दिखाकर उसका चित्र बनाने व रंग भरने में मदद करें।

,slk djks%

- कागज़ की एक नाव बनाओ और पानी में तैराओ।

fdl&fdl esa j[krs ikuh \

दीपा जब झूला झूलकर घर पहुँची, तब उसकी माँ घड़ा, टोकनी, बालटी, ड्रम आदि बर्तनों को धोकर उनमें पानी भर रही थी।

n[kks vkSj fy[kks%

- चित्रों में बर्तनों को पहचानो और उनके नीचे उनके नाम लिखो।

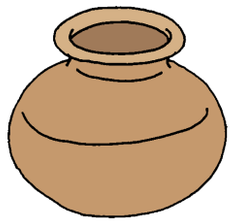

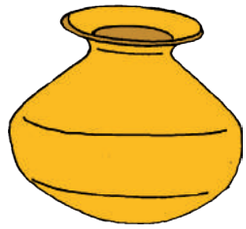

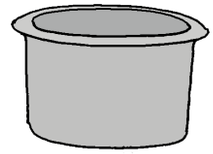

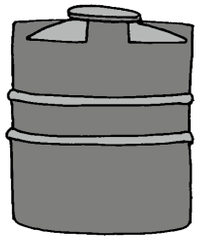

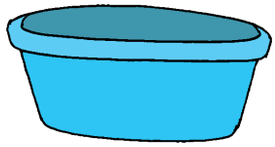

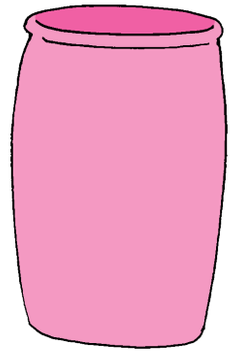

____

____

____

____

____

____

____

____

irk djks%

- पानी भरकर रखे जाने वाले ये बर्तन प्रायः किन–किन चीज़ों से बने होते हैं ?

ikuh vkrk fdl&fdl dke \

पानी भरने के बाद दीपा की माँ ने पानी के बर्तन रखने की जगह को साफ़ किया। सभी बर्तनों को ढककर रख दिया। बहुत सारा पानी देखकर दीपा ने माँ से पूछा– इतने पानी का हम क्या करेंगे ? माँ ने बताया– दिनभर के कामों के लिए हमें इतना पानी तो चाहिए ही।

lkpk vkj fy[kk %

- तुम्हारे घर में पानी किस–किस काम आता है? गोलों में लिखो–

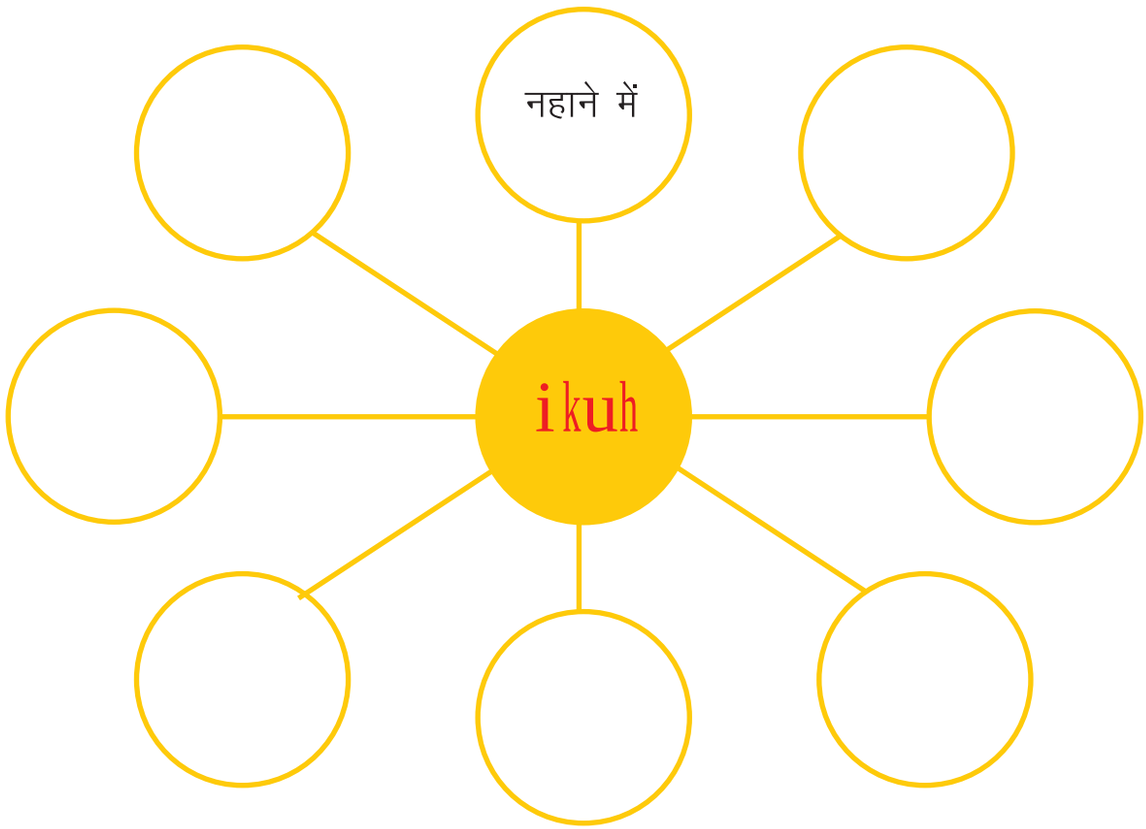

- कुछ काम ऐसे भी हैं, जिन्हें करने के लिए पानी की ज़रूरत नहीं होती। ऐसे कामों की सूची बनाओ–

1. झाड़ू लगाना
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________
5. ____________________
6. ____________________

vè;kid d fy, lidr : बच्चों से पानी के उपयोग और रख–रखाव के बारे में चर्चा करें।

fdlesa ikuh de] fdlesa T;knk \

अनुमान लगाओ और लिखो कि दिए गए कामों को करने के लिए तुम्हारे घर में एक दिन में कितने पानी की ज़रूरत होती होगी ?

dke	fdruk ikuh \
खाना बनाने में	———————— बालटी
एक व्यक्ति के नहाने में	———————— बालटी
पशुओं को नहलाने में	———————— बालटी
कपड़े धोने में	———————— बालटी
फ़र्श साफ़ करने में	———————— बालटी
पीने के लिए	———————— बालटी
शौचालय में	———————— बालटी

vkvks ;sa Hkh djsa %

1. नीचे दिए गए कामों को करने के लिए जिन बर्तनों की ज़रूरत पड़ती है, उनके चित्र बनाओ व रंग भरो।

– पानी पीने के लिए

– स्कूल में पानी ले जाने के लिए

– घर में पीने का पानी भरकर
रखने के लिए

– नहाने के लिए

– ज़्यादा पानी भरकर रखने के लिए

2. बिन्दुदार रेखाओं को मिलाकर प्राप्त आकृति में रंग भरो और नाम लिखो।

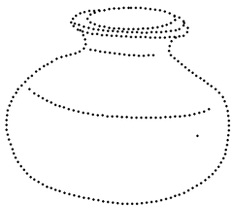

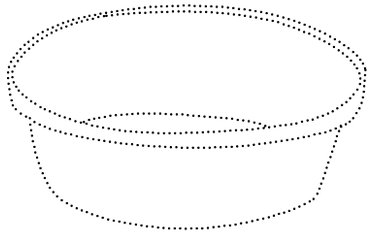

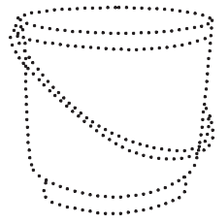

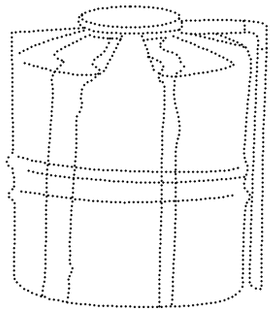

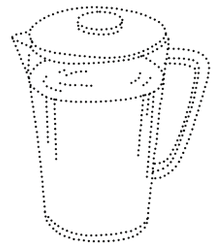

____

____

____

____

____

____

3. नीचे एक वर्ग पहेली दी गई है। इसमें पानी भरकर रखने वाले कुछ बर्तनों के नाम छिपे हैं। इन्हें ढूँढ़कर, इन पर घेरा ( ) लगाओ।

क	क	अ	ल	टो
म	प	टं	की	क
न	म	ट	का	नी
ज	ग	ब	ख	र
ह	स	गि	ला	स

4. पानी की बचत से संबंधित स्लोगन बनाकर दिए गए स्थान पर लिखो–

f'k{kd d fy,

Fkhe % vkok l

;g Fkhe D;k \

इस थीम को पाठ्यक्रम में रखने का उद्देश्य घर या मकान संबंधी आवश्यकताओं के प्रति बच्चों की समझ बनाना है। व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं में से घर भी एक आवश्यकता है। घर हमें गर्मी, सर्दी व बरसात आदि से सुरक्षित रखता है। बच्चों को इस तथ्य से अवगत कराना है कि समय, स्थिति और जलवायु में परिवर्तन के कारण घरों के आकार–प्रकार में बदलाव हो रहे हैं। साथ ही घर बनाने की सामग्री में बदलाव देखने को मिलते हैं। बच्चों को दायाँ व बायाँ की अवधारणा में अंतर समझाकर दिशाओं का ज्ञान कराया गया है। चित्र व नक्शा बनाने के कौशल का विकास करना भी थीम का उद्देश्य है। थीम में इस बात पर भी बल दिया गया है कि घर की साफ़–सफ़ाई भी उतनी ही ज़रूरी है, जितना ज़रूरी घर है।

bl Fkhe e g D;k \

इस थीम में दो पाठ रखे गए हैं। पहले पाठ में भिन्न–भिन्न प्रकार के घर तथा उनकी निर्माण सामग्री का वर्णन है। घरों पर बदलते मौसम के पड़ने वाले प्रभावों और उनसे जुड़ी समस्याओं की चर्चा की गई है। सफ़ाई का महत्त्व तथा घर को सजाने के कुछ तरीके भी सुझाए गए हैं। दूसरे पाठ में किसी स्थान की भौगोलिक स्थिति व उस स्थान के आस–पास के भवनों, पेड़–पौधों आदि का अध्ययन करके उन्हें चित्र व मानचित्र द्वारा दर्शाना है।

bl Fkhe d ikBk dk dl djk,¡ \

- बच्चों से मकान एवं घर के अंतर पर बात करें।
- चर्चा करें कि बच्चे अपने–अपने घरों को किस प्रकार सजाते हैं।
- बच्चों द्वारा देखे गए विभिन्न प्रकार के घरों के बारे में, उनको अपने अनुभव सुनाने के मौके दें।
- परिवेश में मकानों में पाई जाने वाली विविधताओं के कारणों को स्पष्ट करने के लिए विस्तार से बातचीत करें।
- किसी भी रूप में बच्चों के घरों की तुलना न करें।
- कविताओं/क्रियाकलापों द्वारा विभिन्न अवधारणाओं को स्पष्ट करें।
- चर्चा द्वारा स्पष्ट करें – घर की व आस–पास की सफ़ाई तथा कचरे का निपटारा क्यों ज़रूरी है।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों/मानचित्रों को उसी रूप में स्वीकार करें, प्रतिकूल टिप्पणी न दें।
- विभिन्न प्रकार के आवासों के चित्र दिखाएँ।